ऋ (ृ) की मात्रा

मृग

वृक्ष

तृण

कृषक

कृपाण	गृह
नृप	धृत
पृथवी	कृपा
कृष्ण	गृहिणी
वृषभ	गृहस्थ
तृतीया	नृत्य
पृष्ठ	घृणा

पढ़ो : नृ वृ गृ पृ तृ कृ घृ

वाक्य पढ़िए :

1. घृणा मत कर ।
2. कृपाण उधर रख।
3. कृषक कृषि कर।
4. धृत ला।
5. वृक्ष बहुत बड़ा है।
6. वृष पर न चढ़।
7. कृपा कर।
8. मृग भागा।